चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: INDIA TIMER **Date: 23-11-2022**

आयुर्वेद ऋषि-मुनियों की दी गई विद्या : डॉ. कविता

जींद,(इंडिया टाइमर): चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद के योग विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित प्राकृतिक चिकित्सा कार्यशाला के दूसरे दिन मुख्य अतिथि के रूप में महावीर पिलानिया खोखरी गाव से पहुंचे। उन्होंने बच्चों को शिक्षाप्रद बातें बता कर हास्य योग का अभ्यास करवाया। उन्होंने विभिन्न पक्षी और जीव-जंतुओं की आवाज निकाल कर बच्चों का मनोरंजन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ कविता वत्स गॉड ब्राह्मण आयुर्वेदिक कॉलेज ने बच्चों को एक्यूप्रेशर और वर्मा थेरेपी के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि आयुर्वेद सबसे पुराना वेद है। यह ऋषि-मुनियों द्वारा दी गई विधा है। मर्म चिकित्सा से हम अपने शरीर की बहुत सारी बीमारियों को ठीक कर सकते हैं। उन्होंने शरीर को ठीक करने के लिए एक्यूप्रेशर के कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला और एक डेमो के माध्यम से उनका उपचार बताया के किस प्रकार हम घर पर भी स्वयं की चिकित्सा कर सकते हैं। जींद के योगाचार्य सूर्य देव आर्य ने सभी विद्यार्थियों को आहार संबंधित जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि सफेद नमक, चीनी, मैदा, रिफाइंड आदि को अपने दैनिक आहार में प्रयोग नहीं करना चाहिए। उन्होंने जल चिकित्सा और मिट्टी चिकित्सा संबंधी विषयों पर प्रकाश डाला। इस मौके पर डॉ. वीरेंद्र आचार्य, डॉ. जयपाल सिंह राजपूत, डॉ. मंजू सुहाग, डॉ. ज्योति मलिक, डॉ. सुमन पुनिया, कांता, डॉ. संदीप आदि मौजूद रहे।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 23-11-2022**

सीआरएसयू के योग विज्ञान विभाग में प्राकृतिक चिकित्सा कार्यशाला का दूसरा दिन

मर्म चिकित्सा से बहुत सारी बीमारियां की जा सकती हैं ठीक: डॉ. कविता

भास्कर न्यूज | जींद

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के योग विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित प्राकृतिक चिकित्सा कार्यशाला के दूसरे दिन मुख्य अतिथि के रूप में महावीर पिलानिया खोखरी गांव से पहुंचे। उन्होंने बच्चों को शिक्षाप्रद बातें बताकर हास्य योग का अभ्यास करवाया और उन्होंने विभिन्न पक्षी और जीव-जंतुओं की आवाज निकाल कर बच्चों का मनोरंजन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. कविता वत्स गौड़ ब्राह्मण आयुर्वेदिक कॉलेज ब्राह्मणवास से पहुंचे उन्होंने बच्चों को एक्यूप्रेशर और वर्मा थेरेपी के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद सबसे पुराना वेद है। यह ऋषि-मुनियों द्वारा दी गई विधा है। मर्म चिकित्सा से हम अपने शरीर की बहुत सारी बीमारियों को ठीक कर सकते हैं। उन्होंने शरीर को ठीक करने के लिए एक्यूप्रेशर के कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला और एक डेमो के माध्यम से उनका उपचार बताया कि किस प्रकार हम घर पर भी स्वयं की चिकित्सा कर सकते हैं। जींद के योगाचार्य सूर्य देव आर्य ने सभी विद्यार्थियों को आहार संबंधित जानकारी दी। इस मौके पर डॉ. वीरेंद्र आचार्य, डॉक्टर जयपाल सिंह राजपूत, डॉ. मंजू सुहाग, डॉ. ज्योति मलिक, डॉक्टर सुमन पूनिया, कांता, डॉक्टर संदीप मौजूद रहे।

जींद. सीआरएसयू में आयोजित कार्यशाला में मौजूद विद्यार्थी व अन्य।

गवर्नमेंट कॉलेज जींद ने 5 विकेट से जीतकर किया सेमीफाइनल में प्रवेश

भास्कर न्यूज | जींद

इंडस डिग्री कॉलेज किनाना में चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इंटर कॉलेज क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार मलिक ने किया।

इस मौके पर प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार मलिक व खेल प्रभारी शेखर रेढ़ू, रमेश खटखड़ ने शिरकत की। प्राचार्य ने बताया कि चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय ने इस प्रतियोगिता की चौथी बार मेजबानी दी है, जिसमें खिलाड़ियों के सुख सुविधाओं का ध्यान रखा जा रहा है। पहला मुकाबला गवर्नमेंट कॉलेज नरवाना को वाल्क ओवर दिया गया।

जींद. क्रिकेट प्रतियोगिता के दौरान अतिथि के साथ खिलाड़ी।

दूसरा मुकाबला गवर्नमेंट कॉलेज जींद व जाट कॉलेज जींद के बीच खेला गया। इस मुकाबले को गवर्नमेंट कॉलेज जींद ने 5 विकेट से जीत हासिल की व सेमीफाइनल में प्रवेश किया। यह प्रतियोगिता 24 नवंबर तक चलेगी। 24 नवंबर को चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय की टीम के चयन के लिए भी ट्रायल लिया जाएगा। इस मौके पर नवीन मोर, मनीष व सुमित मौजूद रहे।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: PUNJAB KESRI **Date: 23-11-2022**

विद्यार्थियों को दी योग के बारे में जानकारी

सी.आर.एस.यू. में योग के बारे में जानकारी लेते विद्यार्थी। (ऋषि)

जींद, 22 नवम्बर (स.ह.) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद के योग विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित प्राकृतिक चिकित्सा कार्यशाला के दूसरे दिन मुख्य अतिथि के रूप में महावीर पिलानिया खोखरी गांव से पहुंचे। उन्होंने बच्चों को शिक्षाप्रद बातें बता कर हास्य योग का अभ्यास करवाया और उन्होंने विभिन्न पक्षी और जीव-जंतुओं की आवाज निकाल कर बच्चों का मनोरंजन किया।

इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. कविता वत्स रहे। उन्होंने बच्चों को एक्यूप्रेशर और वर्मा थेरेपी के बारे में विस्तार से बताया कि आयुर्वेद सबसे पुराना वेद है। यह ऋषि-मुनियों द्वारा दी गई विधा है। मर्म चिकित्सा से हम अपने शरीर की बहुत सारी बीमारियों को ठीक कर सकते हैं। उन्होंने शरीर को ठीक करने के लिए एक्यूप्रेशर के कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला और एक डेमो के माध्यम से उनका उपचार बताया के किस प्रकार हम घर पर भी स्वयं की चिकित्सा कर सकते हैं।

जींद के योगाचार्य सूर्य देव आर्य ने सभी विद्यार्थियों को आहार संबंधित जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि सफेद नमक चीनी मैदा रिफाइंड आदि को अपने दैनिक आहार में प्रयोग नहीं करना चाहिए। उन्होंने जल चिकित्सा और मिट्टी चिकित्सा संबंधी विषयों पर प्रकाश डाला। इस मौके पर डॉ. वीरेंद्र, आचार्य डॉ. जयपाल सिंह राजपूत, डॉ. मंजू सुहाग, डॉ. ज्योति मलिक, डॉ. सुमन पूनिया आदि मौजूद रहे।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: AMAR UJALA **Date: 23-11-2022**

सीआरएसयू में प्राकृतिक चिकित्सा पर कार्यशाला

- बच्चों को एक्यूप्रेशर व वर्मा थेरेपी के बारे में विस्तार से दी जानकारी
- पक्षी और जीव-जंतुओं की आवाज निकाल बच्चों का किया मनोरंजन

प्राकृतिक चिकित्सा की जानकारी देते हुए डा. कविता वत्स । ● विज्ञप्ति।

जागरण संवाददाता, जींद : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के योग विज्ञान विभाग की ओर से आयोजित प्राकृतिक चिकित्सा कार्यशाला के दूसरे दिन मुख्य अतिथि महावीर पिलानिया रहे। उन्होंने बच्चों को शिक्षाप्रद बातें बता कर हास्य योग का अभ्यास करवाया और उन्होंने विभिन्न पक्षी और जीव-जंतुओं की आवाज निकाल कर बच्चों का मनोरंजन किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में गौड़ ब्राह्मण आयुर्वेदिक कालेज ब्राह्मणवास से डा. कविता वत्स से पहुंचे। उन्होंने बच्चों को एक्यूप्रेशर और वर्मा थेरेपी के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि आयुर्वेद सबसे पुराना वेद है। यह ऋषि-मुनियों द्वारा दी गई विधा है। मर्म चिकित्सा से हम अपने शरीर की बहुत सारी बीमारियों को ठीक कर सकते हैं। उन्होंने शरीर को ठीक करने के लिए एक्यूप्रेशर के कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला और एक डेमो के माध्यम से उनका उपचार बताया के किस प्रकार हम घर पर भी स्वयं की चिकित्सा कर सकते हैं। योगाचार्य सूर्य देव आर्य ने सभी विद्यार्थियों को आहार संबंधित जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि सफेद नमक चीनी मैदा रिफाइंड आदि को अपने दैनिक आहार में प्रयोग नहीं करना चाहिए। उन्होंने जल चिकित्सा और मिट्टी चिकित्सा संबंधी विषयों पर प्रकाश डाला। इस मौके पर डा. वीरेंद्र, जयपाल सिंह राजपूत, डा. मंजू सुहाग, डा. ज्योति मलिक, डाक्टर सुमन पूनिया, कांता, डा. संदीप मौजूद रहे।